पाठ 6. हमारा संकल्प

पाठ का परिचय

बच्चे अपनी इच्छाओं को व्यक्त करते हुए कहते हैं कि हमारी यही इच्छा है कि हम कुछ करके दिखाएँ। इस मरणशील दुनिया में वे अमर होना चाहते हैं। वे गरीबों को सुखी बनाने की इच्छा रखते हैं। जो लोग गुमनामी का जीवन जी रहे हैं, वे उन्हें रोशनी से परिचित करवाना चाहते हैं तथा उन्हें कर्म करने के लिए प्रेरित कर नए जीवन की राह दिखाना चाहते हैं। जो लोग निराशा से घिरे हैं, उन्हें आशावान बनाना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उन्हें अपने इस प्रण को पूरा करने से कोई न रोके। वे अपनी मातृभूमि की सेवा में अपना सब कुछ लुटा देना चाहते हैं। वे अपने पूर्वजों का मान बढ़ाना चाहते हैं और सच्चे सपूत कहलाना चाहते हैं।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

यह जीवन ईश्वर की अमूल्य देन है। इसे यूँ ही व्यर्थ गवाँ देना उचित नहीं। दुनिया में आए हैं तो कुछ करके दिखाना चाहिए। केवल अपने लिए जीना तो पशुओं का काम है। निस्स्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा कर जीवन जीना ही वास्तविक जीवन है।

पाठ का वाचन

इस ओजपूर्ण कविता का वाचन पूरे जोश के साथ किया जाए। ऐसी कविताओं को गाकर सुनाया जाना अधिक प्रभावशाली होता है। पहले एक बार अध्यापक/अध्यापिका इसे गाएँ, उसके बाद बच्चों को दोहराने के लिए कहें। बच्चों से एक-एक पद गाकर पढ़ने को कहें। गाते समय उतार-चढ़ाव का पूरा ध्यान रखें। सही उच्चारण का भी उन्हें ज्ञान करवाएँ। बच्चों को कविता से संबंधित प्रश्न बनाकर अपने सहपाठियों से पूछने के लिए कहें।

महत्वपूर्ण चर्चा

कक्षा में बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों पर आधारित चर्चा करें –

- जीवन में तुम क्या करके दिखाना चाहते हो?
- जीवन में किस प्रकार समाज सेवा कर लोगों की सहायता करना चाहते हो?
- समाज सेवा करने वालों में तुम्हें सबसे अधिक प्रभावशाली व्यक्तित्व किसका लगता है?